(3)

आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला
दिनांक २९.११.२०१९ का प्रतिवेदन

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शोध विभाग द्वारा ''आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला'' दिनांक 29.11.2019 को वाचस्पति सभागार में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने की। माननीय कुलपति महोदय ने विद्यापीठ के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति डॉ. मण्डन मिश्र का महनीय योगदान एवं आचार्य वाचस्पति उपाध्याय के द्वारा पल्लवित विद्यापीठ को व्याख्यायित किया एवं उनके द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलने के लिए छात्रों तथा अध्यापकों को प्रेरित किया। उक्त व्याख्यानमाला में मुख्यातिथि के रूप में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री बृजेश सेठी ने 95 प्रतिशत भारतीय शास्त्रीय आधारों पर चल रही वर्तमान न्यायिक प्रक्रिया के स्वरूप को स्वीकार किया।

सारस्वत अतिथि अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष, बार काउंसिल ऑफ इण्डिया श्री सूर्यप्रकाश खत्री ने न्यायिक प्रक्रिया में शास्त्रों के महत्त्व को व्याख्यायित करते हुए मंदिरों में शास्त्रीय संगीत के आयोजन पर बल दिया तथा विश्वविद्यालय में प्राचीन एवं नवीन न्यायप्रणाली पर पाठ्यक्रम बनाने, व्याख्यान आयोजित करने का सुझाव दिया। मुख्य वक्ता पूर्व धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी ने विभिन्न स्मृतियों में वर्णित न्यायिक प्रक्रिया के स्वरूप को सारगर्भित रूप में व्याख्यायित किया जो सबके लिये लाभदायक सिद्ध हुआ। विशेष आमन्त्रित अतिथि जैनाचार्य अमर मुनि महाराज जी ने ऐसे विषय पर व्याख्यानमाला आयोजन करने हेतु विद्यापीठ का धन्यवाद किया। सम्मानित अतिथि अधिवक्ता श्री आर.एन.वत्स ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वैदिक मंगलाचरण डॉ. सूर्यमणि भण्डारी एवं पौराणिक मंगलाचरण प्रो. आर.एस.अरावमुदन् ने किया। व्याख्यानमाला में स्वागत भाषण व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा ने दिया। कार्यक्रम का संयोजन शोध विभागाध्यक्ष प्रो. शिवशंकर मिश्र ने किया। इस व्याख्यानमाला में आधुनिक विद्या संकाय प्रमुख प्रो. केदार प्रसार परोहा, छात्रकल्याण संकाय प्रमुख प्रो. कमला भारद्वाज, साहित्य संस्कृति संकाय प्रमुख प्रो. जयकुमार उपाध्ये, प्रो. बिहारीलाल शर्मा, प्रो. सुजाता त्रिपाठी, डॉ. ज्ञानधर पाठक, डॉ. जीवन कुमार भट्टराई, एवं विद्यापीठ के अन्य आचार्य एवं कर्मचारी गण, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम के शोधच्छात्रों ने भी भाग लिया।

उक्त व्याख्यानमाला से शोधच्छात्रों ने आधुनिक न्याय प्रणाली एवं भारतीय शास्त्र परम्परा के विषय में ज्ञान प्राप्त किया। यह व्याख्यानमाला भव्यतापूर्वक आयोजित की गयी। व्याख्यानमाला के आयोजन से निश्चित ही सभी लाभान्वित हुए।

(प्रो. शिवशङ्कर मिश्र)
शोध विभागाध्यक्ष
संयोजक- आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला